



आय सृजन गतिविधि
व्यवसाय योजना
कटाई और सिलाई एवं बैग निर्माण
2022



एसएचजी/नाम	:	दुर्गा स्वयं सहायता समूह
बीएफडीएस नाम	:	लखदाता पीर
एफटीयू/रेंज	:	स्वारघाट
डीएमयू/मंडल	:	बिलासपुर
एफसीसीयू / सर्कल	:	बिलासपुर
द्वारा प्रायोजित पीआईएचपीफेम और एल		द्वारा तैयार:- डीएमयू बिलासपुर, एफटीयू स्वारघाट और दुर्गा एस एच जी

विषयसूची

विवरण	पेज
परिचय	3
कार्यकारी सारांश	3
स्वयं सहायता समूह का विवरण	4-7
गांव का भौगोलिक विवरण	8
आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	8
उत्पादन योजना का विवरण	8
विपणन /बिक्री का विवरण	8
अर्थशास्त्र का विवरण	9-10
वित्त की आवश्यकता	10-11
निगरानी विधि	11
टिपणी	12
व्यवसाय योजना स्वेटर एवं बैग बनाना	12
कार्यकारी सारांश	12
आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण।	12
उत्पादन योजना का विवरण	12-13
अर्थशास्त्र का विवरण	13-14
फंड की आवश्यकता	14-15
अनुलग्नक	16-17

परिचय

हिमाचल प्रदेश राजसी, पौराणिकभूभाग है और अपनी सुंदरता और शांति, समृद्ध संस्कृति और धार्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। राज्य में विविध पारिस्थितिकी तंत्र, नदियाँ और घाटियाँ हैं, और इसकी आबादी 7.5 मिलियन है और यह 55,673 वर्ग किमी में शिवालिक की तलहटी से लेकर मध्य पहाड़ियों (MSL से 300 - 6816 मीटर ऊपर), ऊँची पहाड़ियों और ऊपरी हिमालयके ठंडे शुष्क क्षेत्रों को शामिल करता है। यह घाटियों में फैला हुआ है जिसमें कई बारहमासी नदियाँ बहती हैं। राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। कृषि, बागवानी, जल विद्युत और पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं। राज्य में 12 जिले हैं और इसका आबादी घनत्व काफी है।

यह जिला पंजाब की सीमा से सटा हुआ है और अपने पर्यटन स्थलों और हिमालयी यात्राओं के लिए प्रवेश द्वार है, बिलासपुर जिला से हिमालयी यात्राओं के लिए रास्ते मंडी कुल्लू शिमला, सोलन, हमीरपुर और कांगड़ा जिलों को जोड़ता है।

यह जिला प्राचीन बस्तियों और पारंपरिक खेती के किये प्रसिद्ध है जिसकी सतलुज नदी मुख्य जीवन रेखा है। तथा भाखड़ा बाँध के निर्माण के पश्चात् इस जिले का अधिकतर उपजाऊ भू क्षेत्र जलमग्न हो गया है।

वन और वन पारिस्थितिकी तंत्र समृद्ध जैव विविधता के भंडार हैं, और नाजुक ढलान वाली भूमि को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रामीण आबादी के लिए आजीविका के प्राथमिक स्रोत थे। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए वन संसाधनों पर सीधे निर्भर हैं। कठोर वास्तविकता यह है कि चारा, ईंधन, एनटीएफपी निकासी, चराई, आग और सूखा आदि जैसे अत्यधिक दोहन के कारण ये संसाधन लगातार कम हो रहे हैं।

लखदाता पीर ग्रामीण वन विकास समिति के तहत आजीविका सुधार गतिविधियों को लागू करने के लिए दो स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है। इनमें से एक है, "दुर्गा " स्वयं सहायता समूह, कटाई, सिलाई और बैग निर्माण से संबंधित है। समूह के सदस्य समाज के कमजोर वर्ग से संबंधित हैं और उनके पास कम भूमि जोत है। अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए, उन्होंने कटाई, सिलाई और बैग निर्माण करने का फैसला किया। जिसमें डॉ0 उल्शीदा, विषय विशेषज्ञ कार्यालय वनमंडल बिलासपुर, रविंदर कुमार, वन रक्षक, बेहल बीट और पूनम ठाकुर एफ टी यु कोऑर्डिनेटर स्वारघाट शामिल रहे जिसमे वेद प्रकाश पठानिया सेवानिवृत्त हि० प्र० व० से ० के निरंतर पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में व्यवसाय योजना तैयार करने में योगदान रहा।

कार्यकारी सारांश

लखदाता पीर वन ग्रामीण विकास समिति:-

लखदाता पीर ग्रामीण वन विकास समिति लखाला राजस्व गांव में व्यवस्थित है। इस ग्रामीण वन विकास समिति का गठन ग्राम लखाला में किया गया है। यह हिमाचल प्रदेश में बिलासपुर जिले के स्वाहण ब्लॉक में स्थित है लखाला ग्रामीण वन विकास समिति बिलासपुर वन मंडल प्रबंधन इकाई (डीएमयू) के स्वारघाट वन परिक्षेत्र के तहत स्वाहण वन खण्ड के स्वाहण बीट के अंतर्गत आता है।

परिवारों की संख्या	105
बीपीएल परिवार	46
कुल जनसंख्या	444

स्वयं सहायता समूह का विवरण

अनौपचारिक दुर्गा स्वयं सहायता समूह के गठन में लखाला ग्रामीण वन विकास समिति के तहत कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था। समूह में गरीब और सीमांत किसान शामिल हैं। दुर्गा स्वयं सहायता समूह महिला समूह (12महिलाएं) है जिसमें कम भूमि संसाधन वाले समाज के सीमांत और वित्तीय कमजोर वर्ग शामिल हैं। हालांकि समूह के सभी सदस्य मौसमी सब्जियां आदि उगाते हैं, लेकिन चूंकि इन सदस्यों की भूमि बहुत छोटी है और सिंचाई की सुविधा कम है और उत्पादन का स्तर संतुष्टि के करीब पहुंच गया है, इसलिए अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्होंने आगे बढ़ने का फैसला किया। कटाई, सिलाई और बैग निर्माण जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। इस समूह में 12 सदस्य हैं लेकिन उपरोक्त व्यवसायिक योजना में 11 सदस्य शामिल है और उनका मासिक योगदान 100/- रुपये प्रति माह है। समूह के सदस्यों का विवरण इस प्रकार है:-



बग्गो देवी (प्रधान)

मीरा देवी (सचिव) चरणों देवी (कोषाध्यक्ष)

इंद्रा देवी



मनप्रीत कौर

सीमा देवी

गीतों देवी

राजिंदर कौर



मंजू देवी

कमला देवी

संजीवनी देवी

दुर्गा स्वयं सहायता समूह लखाला

एसएचजी का नाम	::	दुर्गा
एसएचजी/सीआईजी एमआईएस कोड संख्या	::	-
वीएफडीएस	::	लखाला
परिक्षेत्र	::	स्वारघाट
वन मण्डल	::	बिलासपुर
गांव	::	लखाला
खंड	::	स्वाहण
ज़िला	::	बिलासपुर
एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	12
गठन की तिथि	::	27-04-2021
बैंक का नाम और विवरण	::	Co-operative Bank Swarghat
बैंक खाता संख्या	::	11810108270
एसएचजी/मासिक बचत	::	₹.100/-माह
कुल बचत	::	25471/-
कुल अंतर-ऋण	::	हां
नकद ऋण सीमा	::	
चुकौती स्थिति		तिमाही आधार

गांव का भौगोलिक विवरण

जिला मुख्यालय से दूर	:	60 किमी
मेन रोड से दूर	:	5 किमी
स्थानीय बाजार और दूर का नाम	:	बेहल 3किमी
प्रमुख शहरों के नाम और दूर	:	किरतपुर 10 किमी, स्वारघाट 17कि०मी०, बिलासपुर 60 किमी लगभग।
प्रमुख शहरों के नाम जहां उत्पादों को बेचा/विपणित किया जाएगा	:	किरतपुर , स्वारघाट, बिलासपुर
बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की स्थिति	:	-

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

उत्पाद का नाम	::	सिले सूट
उत्पाद पहचान की विधि	::	हालांकि समूह का पूरा सदस्य मौसमी सब्जी और पारंपरिक फसलें उगाता है। चूंकि उनकी भूमि जोत छोटी है, उत्पादन के संतृप्ति बिंदु तक पहुंच गई है, इसलिए वे अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए समूह के सदस्य द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि कटाई, सिलाई और बैग निर्माण से उनकी आय में वृद्धि होगी।
एसएचजी/सीआईजी/ की सहमति समूह	::	सहमति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

उत्पादन योजना का विवरण

समय लगता है	::	1 सूट को पूरा होने में लगभग 3-4 घंटे लगते हैं
शामिल महिलाओं की संख्या	::	सभी महिलाएं।
कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार/ स्थानीय लोग
अन्य संसाधनों का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
प्रति दिन अपेक्षित सिले सूट	::	शुरुआत में 5 सूट

विपणन /बिक्री का विवरण

संभावित बाजार स्थान / स्थान	::	अन्त निर्हित गांव – लखाला
	::	आस-पास के संस्थान - स्कूल, कॉलेज आदि
सिलाई कार्य की मांग	::	पूरे साल और उत्सव और शादी के अवसरों के समय उच्च मांग।
बाजार के पहचान की प्रक्रिया	::	समूह के सदस्य आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से संपर्क करेंगे।
विपणन रणनीति		एसएचजी सदस्य सीधे आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से आदेश (व्यक्तिगत स्तर/समूह स्तर) लेंगे।

संकट विश्लेषण

- कौशल आधारित
- जरूरत अनुसार
- अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से एसएचजी समूह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा।

- समूह के कुछ सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे (अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि)
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

अर्थशास्त्र का विवरण:

पूंजी लागत			
विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	कुल राशि (₹.)
सिलाई मशीन	05	8000	40000
इंटरलॉक मशीन	1	6000	6000
दर्जी कैंची	11	400	4400
सिलाई रूलर (फीता) सेट	11	600	6600
सिलाई दर्जी Tap	11	100	1100
आयरन प्रेस	2	500	1000
अलमारी	3-4	लगभग	5000
कांटा	2 सेट	400	800
कुर्सियों, मेज आदि	लगभग	लगभग	5000
कुल पूंजीगत लागत (ए) =			69900

बी।	आवर्ती लागत				
अनु क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि (₹.)
1	सिलाई के धागे	रीलों/सूट/माह	180	10	1800
2	अन्य परिष्करण सामग्री (बुकरम, कॉलर आदि)	सूट/माह	लगभग	लगभग	4000
3	किराया	महीना			1000
4	अन्य (स्थिर, बिजली बिल, परिवहन, मशीन की मरम्मत)	महीना			1000
कुल आवर्ती लागत (बी)					7800

उत्पादन की लागत (मासिक)	
विवरण	राशि (रु.)
कुल आवर्ती लागत	7800
पूँजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	600
कुल	8400

सिले हुए सूट की कीमत (प्रति सूट)				
विवरण	इकाई	मात्रा	राशि (रु.)	
साधारण सूट	1	1	250-300	
अन्य (प्लाज़ो, अस्तर आदि)	1	1	300-350	

आय और व्यय का विश्लेषण (मासिक):

विवरण	राशि (रु.)
पूँजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	600
कुल आवर्ती लागत	7800
प्रति माह कुल सिले सूट	150 (लगभग मात्रा)
सिले हुए सूट का विक्रय मूल्य (प्रति सूट)	250
आय सृजन (150*250)	37,500
शुद्ध लाभ (37,500 - 8700)	28,800
शुद्ध लाभ का वितरण	<ul style="list-style-type: none"> लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा

वित्त की आवश्यकता:

विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
कुल पूँजी लागत	69900	52425	17475
कुल आवर्ती लागत	7800	0	7800
प्रशिक्षण	50000	50000	0
कुल	127700	102425	25275

ध्यान दें-

- पूँजीगत लागत - परियोजना के तहत कवर की जाने वाली पूँजीगत लागत का 75%
- आवर्ती लागत - एसएचजी/सीआईजी द्वारा वहन किया जाना।
- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन - परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

वित्त स्रोत:

परियोजना का समर्थन:	<ul style="list-style-type: none">• पूंजीगत लागत का 75% मशीनों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा।• SHG बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे।• प्रशिक्षण/क्षमतानिर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा मशीनों की खरीद की जाएगी।
स्वयं सहायता समूह योगदान	<ul style="list-style-type: none">□ पूंजीगत लागत का 25% एसएचजी द्वारा वहन किया जाएगा।□ स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत	

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी। निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- टीम वर्क
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और मार्केटिंग
- वित्तीय प्रबंधन

ऋण चुकौती अनुसूची- यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

निगरानी विधि -

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

टिपणी: समूह की आगामी आय को ध्यान में रखते हुए समूह द्वारा दूसरी प्रस्तावित गतिविधि बैग निर्माण है क्योंकि यह निर्णय सिद्धान्तिक रूप में समीक्षा मिशन के समय लिया गया है कि एक व्यवसाय योजना में एक से अधिक गतिविधि सम्मिलित की जानी चाहिए, अतः दूसरी प्रस्तावित गतिविधि नीचे संलग्न है।

व्यवसाय योजना
बैग बनाना
द्वारा
दुर्गा स्वयं सहायता समूह

कार्यकारी सारांश

बैग उत्पादन एक तरीका है जिससे लोगों को आर्थिक लाभ होगा व ग्रामीण बैग उत्पादन कम खर्च पर करके अपनी आजीविका में सुधार ला सकते हैं। इसके माध्यम से गरीब परिवार अपनी आय में पर्याप्त बढ़ोतरी कर सकते हैं। कम कीमत पर अच्छी किस्म का उत्पादन करने के लिए प्रशिक्षण और उन्नत किस्म की मशीनें समूह को अनुदान पर प्रदान की जाएँगी। जिस से समूह के सदस्य अच्छी किस्म के उत्पाद कम समय में तैयार कर सकते हैं और अधिक आय अर्जित कर सकते हैं।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण।

उत्पाद का नाम	::	बैग
उत्पाद पहचान की विधि	::	हालांकि समूह का पूरा सदस्य मौसमी सब्जी और पारंपरिक फसलें उगाता है। चूंकि उनकी भूमि जोत छोटी है, उत्पादन के संतुष्टि बिंदु पर पहुंच गई है, इसलिए वे अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए समूह के सदस्य द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि परियोजना की सहायता से बैग बनाना शुरू किया जाना है, जो उनकी आय में वृद्धि होगी।
एस एच जी/सी आई जी/ की सहमति समूह	::	सहमति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

उत्पादन योजना का विवरण

समय लिया	::	बैग के प्रकार और आकार के आधार पर 1 बैग को पूरा होने में लगभग 1-2 घंटे लगते हैं
शामिल महिलाओं की संख्या	::	सभी महिलाएं।

कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
अन्य संसाधनों का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
प्रतिदिन अपेक्षित सिले बैग	::	शुरू में 4 बैग

विपणन/बिक्रीकाविवरण

संभावित बाजार स्थान / स्थान	::	आच्छादित गांव – लखाला आस-पास के संस्थान - स्कूल, कॉलेज आदि
बैग की मांग	::	साल भर(लंच बॉक्स और पानी की बोतलों के लिए बैग और उत्सव, शादी के अवसरों पर यात्रा के लिए कैरी बैग की मांग अधिक होती है
बाजार की पहचान की प्रक्रिया	::	समूह के सदस्य आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से संपर्क करेंगे।
विपणन रण नीति		एस एच जी सदस्य सीधे आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से आदेश (व्यक्तिगत स्तर/समूह स्तर) लेंगे।

जोखिम विश्लेषण

- कौशल आधारित
- जरूरत अनुसार
- अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से एस एच जी समूह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा।

- समूह के कुछ सदस्य प्री-प्रोडक्शन प्रक्रिया (यानी – कच्चे माल की खरीद आदि) में शामिल होंगे।
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

अर्थशास्त्र का विवरण :

आवर्ती लागत					
क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि (₹.)
1	बैग बनाने के लिए कपड़ा (जूट और मोटी कपास)		30 mt	150 / mt.	4500
2	मेटी		30 mt	120	3600
3	सिलाई के धागे	रीलों/बैग/माह	180	10	1800
4	अन्य परिष्करण सामग्री (ज़िप , बटन , फीता, टेप और चेन और अन्य सामान)	बैग/माह	लगभग	लगभग	8000
5	स्पंज		30 mt	3600	3600
6	किराया	महीना			1000
7	अन्य (स्टेशनरी, बिजली बिल, परिवहन, मशीन की मरम्मत)	महीना			1000

कुल आवर्ती लागत	23500
-----------------	-------

सी।	उत्पादन की लागत (मासिक)	
अनु क्रमांक	विवरण	राशि (रु.)
1	कुल आवर्ती लागत	23500
	कुल	23500

बैग की कीमत (प्रति बैग)					
क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	राशि (रु.)	
1	यात्रा का थैला	1	1	300-400	
2	लंच बॉक्स के लिए कैरी बैग	1	1	100-150	
3	पानी की बोतल के लिए कैरी बैग	1	1	100-150	
4	मिनी उपयोगिता किट	1	1	75	
5	भट्टा बैग	1	1	250	
6	मोबाइल कवर	1	1	75	
7	हैंड बैग	1	1	250-300	

आय और व्यय का विश्लेषण (महीने के):

क्रमांक	विवरण	राशि (रु.)
1.	कुल आवर्ती लागत	23500
2.	प्रति माह सिले कुल बैग	120 (लगभग मात्रा)
3.	बैग का विक्रय मूल्य (प्रति बैग)	75-400
4.	आय सृजन (120*240)	28800
5.	शुद्ध लाभ (28800 - 23500)	5300
6.	शुद्ध लाभ का वितरण	<ul style="list-style-type: none"> लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। यह लाभ एक घंटा प्रतिदिन काम करने के आधार पर है IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा

फंड की आवश्यकता:

क्रमांक	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल आवर्ती लागत	23500	0	23500
2	प्रशिक्षण	50000	50000	0
	कुल	73500	50000	23500

परियोजना की कुल लागत है

पूँजीगत लागत = 69900/-

आवर्ती लागत = 7800/-

कटाई, सिलाई के लिए कुल =77700/-

बैग बनाना परियोजना की लागत है

पूँजीगत लागत = 0/- (मशीन इत्यादि पूँजीगत लागत परियोजना के भाग -I में ही दर्शायी गयी है)

आवर्ती लागत = 23500/-

बैग बनाना परियोजना के लिए कुल = 23500/-

प्रशिक्षण पर खर्च = 50000/-

व्यवसाय योजना का कुल योग रु. केवल 151200/-

क्रम संख्या	व्यवसाय योजना	पूँजीगत लागत	आवर्ती लागत	प्रशिक्षण	परियोजना का हिस्सा	लाभार्थी अंशदान	कुल लागत
1.	कटाई, सिलाई	69900/-	7800/-	50000/-	102425/-	25275/-	127700
2.	बैग बनाना	0	23500/-		0	23500/-	23500/-
	कुल	69900/-	31300/-	50000/-	102425/-	48775/-	151200/-

अनुलग्नक

हम सब समूह सदस्य ने आईजीए गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सहमति दी है एचपी पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार और वीएफडीएस के साथ समन्वय के लिए जेआईसीए परियोजना के दिशानिर्देश के अनुसार समूह (कॉर्डिनेटिव कैम्पेना) द्वारा चुना गया। सदस्यों का विवरण इस प्रकार है

क्र.सं.	नाम	पद	वर्ग	उम्र	हस्ताक्षर
1.	लज्जा देवी जी. ज्ञान सिंह प्रधान		अनुभवाति	52	लज्जा देवी
2.	मीरा देवी जी. दीपक शर्मा सचिव		सामान्य	33	मीरा देवी
3.	चरनो देवी जी. प्रेमरत्न लाल कोषाक्षर अनुभवाति			52	चरनो देवी
4.	इन्द्रा देवी जी. छपान चंद स्वयंसेवक		-4-	32	इन्द्रा देवी
5.	गनप्रीत जी. सुरेश कुमार		-4-	30	गनप्रीत कौर
6.	सीमा जी. चमन लाल		-4-	26	सीमा देवी
7.	गीता देवी जी. केशव राज		सामान्य	58	गीता देवी
8.	राजिंदर कौर जी. प्रमोद		अनुभवाति	34	Rajinder kaur
9.	मंजू जी. शंकर सिंह		सामान्य	35	मंजू देवी
10.	कमला देवी जी. अमर शर्मा		अनुभवाति	55	कमला देवी
11.	संजीवनी जी. पवन कुमार		-4-	28	संजीवनी
12.					
13.					
14.					
15.					
16.					

हस्ताक्षर श्री देवी
प्रधान, वन विकास समिति
गांव लखाला तह० श्री मैना देवी जी,
जिला बिलासपुर, हि०प्र०

प्रधान श्री देवी
हस्ताक्षर
गांव लखाला तह० श्री मैना देवी जी,
जिला बिलासपुर, हि०प्र०

हस्ताक्षर श्री देवी
सचिव, वन सामीप्य विकास
समिति
लखाला पीर गांव लखाला ग्राम पंचायत-
तह० श्री मैना देवी जी
जिला-बिलासपुर हि०प्र०

प्रधान श्री देवी
हस्ताक्षर
गांव वन विकास समिति
लखाला पीर गांव लखाला ग्राम पंचायत-
तह० श्री मैना देवी जी
समिति
जिला-बिलासपुर हि०प्र०

हस्ताक्षर
वन रक्षक

हस्ताक्षर
वन खण्ड अधिकारी

हस्ताक्षर
वन परिक्षेत्र अधिकारी
Ranpur Forest Officer
Ranpur Forest Division

डीएमयू द्वारा स्वीकृत
Divisional Management Unit-DM
Officer JICA Forestry Project,
Distt. Bilaspur (H.P.)